



ya Patel



डॉ दीपिका बंसल
DR. DIPIKA BANSAL

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद
INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH

शकुन्तला अमीर चन्द पुरस्कार
SHAKUNTALA AMIR CHAND PRIZE

2015

प्रशस्ति
CITATION

जैवआयुर्विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए युवा वैज्ञानिकों को प्रदान किए जाने वाले शकुन्तला अमीर चन्द पुरस्कार की संस्थापना वर्ष 1953 में स्वर्गीय मेजर जनरल अमीर चन्द ने की थी। यह पुरस्कार जैवआयुर्विज्ञान के क्षेत्र में चिकित्सीय अनुसंधान सहित किसी भी विषय पर सर्वोत्तम प्रकाशित शोध कार्य के लिए प्रदान किया जाता है। वर्ष 2015 का यह पुरस्कार मोहाली स्थित राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (NIPER) के फार्मसी प्रैक्टिस विभाग की डॉ दीपिका बंसल को "उत्तर भारत में वयस्कों में टाइप 2 मधुमेह की जटिलताओं के स्वास्थ्य भार तथा निवारण और चिकित्सा प्रबंध के लिए किफायती प्रयासों को विकसित करने" पर शोध कार्य के लिए प्रदान किया जा रहा है।

डॉ बंसल ने उत्तर भारत में मधुमेह की माइक्रो एवं मैक्रोवैस्कुलर जटिलताओं की व्यापकता और चिकित्सा प्रभावों का निर्धारण करने के लिए अनेक जानपदिक रोगविज्ञानी अध्ययन और चिकित्सीय परीक्षण किए हैं। उन्होंने पीड़ायुक्त मधुमेहज तंत्रिका विकृति की चिकित्सा हेतु विभिन्न औषधियों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन किया है।

The Shakuntala Amir Chand Prize was instituted in 1953 by (Late) Major General Amir Chand for significant research contribution by young scientists in biomedical sciences. This prize is awarded for the best published research work on any subject in the field of biomedical science including clinical research. The award for the year 2015 is being presented to Dr. Dipika Bansal, Department of Pharmacy Practice, National Institute of Pharmaceutical Education and Research (NIPER), Mohali, for the research work on "Health burden of complications of Type 2 Diabetes Mellitus in adults in North India and developing cost effective approaches for prevention and management".

Dr. Bansal has undertaken several epidemiological studies and clinical trials to determine the prevalence and treatment implications of micro and macrovascular complications of diabetes in North India. She has evaluated the effectiveness of various drugs for the treatment of painful diabetic neuropathy.